भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3861

उत्तर देने की तारीख 24 मार्च, 2025

3 चैत्र, 1947 (शक)

कश्मीरी युवा विनिमय कार्यक्रम को झारखंड में कार्यान्वित करना

†3861. श्री बिद्युत बरन महतोः

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार की झारखंड के युवाओं के बीच और अधिक सांस्कृतिक एकीकरण और समझ को बढ़ावा देने के लिए कश्मीरी युवा विनिमय कार्यक्रम को कार्यान्वित करने की कोई योजना है;

(ख) सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है कि विनिमय कार्यक्रम में भाग लेने वाले कश्मीरी युवाओं को झारखंड में उनके ठहरने के दौरान पर्याप्त शैक्षणिक, सामाजिक और आर्थिक सहायता प्रदान की जाए;

(ग) क्या कश्मीर और झारखंड के युवाओं के बीच संबंधों को मजबूत बनाने में ऐसे कार्यक्रम के प्रभाव के संबंध में कोई मूल्यांकन अथवा आकलन किया गया है; और

(घ) यदि हां, तो भावी पहलों के लिए प्रस्तावित कार्रवाइयों सहित निष्कर्षों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री

(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) सरकार युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय नेहरू युवा केंद्र संगठन के माध्यम से अधिक सांस्कृतिक एकीकरण और समझ को बढ़ावा देने के लिए कश्मीरी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम को कार्यान्वित करती है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, झारखंड राज्य में दो कश्मीरी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित किए गए (जमशेदपुर और धनबाद में एक-एक)।

(ख) कश्मीरी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के प्रतिभागियों को झारखंड में ठहरने के दौरान निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान की जाती हैं:

- आयोजन स्थल जिले पर भोजन और आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।
- मेडिकल सहायता
- संसाधन किट/बैग

- कार्यक्रम के दौरान रोजगार और शिक्षा के अवसरों से संबंधित विभिन्न कक्षा सत्र जैसे कैरियर परामर्श, कौशल विकास, शैक्षिक संस्थानों का दौरा, औद्योगिक दौरे आयोजित किए जाते हैं।
- यह कार्यक्रम कश्मीरी युवाओं का देश के विभिन्न भागों में हुई तकनीकी और औद्योगिक प्रगति से एक्सपोजर कराता है जिसमें वहां उपलब्ध विभिन्न विकासात्मक कार्यकलापों, कौशल विकास, शैक्षिक और रोजगार के अवसरों पर ध्यान केंद्रित कराता है।

झारखंड के जमशेदपुर में कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने एनआईटी जमशेदपुर, करीम सिटी कॉलेज, जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, टाटा जूलॉजिकल पार्क, रूसी मोदी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और जुबली पार्क का दौरा किया। जबकि धनबाद, झारखंड के प्रतिभागियों ने आईआईटी (आईएसएम) धनबाद, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय तोपचांची झील और मैथन डैम का दौरा किया।

(ग) और (घ) कश्मीरी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के प्रतिभागियों से प्रत्येक कार्यक्रम के पूरा होने के बाद फीडबैक लिया जाता है। झारखंड में आयोजित कश्मीरी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के लिए भी ऐसा फीडबैक लिया गया था। प्रतिभागियों ने अपने फीडबैक फॉर्म में उल्लेख किया कि केवाईईपी कार्यक्रम द्वारा इसके अंतर्गत उन्होंने जिन स्थानों का भ्रमण किया उन स्थानों के साथ-साथ उनकी संस्कृति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक समझ के बारे में उनके ज्ञान को काफी समृद्ध किया गया। इसने उन्हें उस क्षेत्र की स्थानीय परंपराओं, त्योहारों और कला रूपों के बारे में गहरी जानकारी दी। कुछ प्रतिभागियों ने सुझाव दिया कि सांस्कृतिक प्रदर्शन और क्षेत्र का दौरा बढ़ाया जाना चाहिए। जबकि कुछ की राय थी कि आदान-प्रदान के अनुभव को पूर्णत: महसूस करने के लिए छह दिन अपर्याप्त थे। प्रतिभागियों ने पारंपरिक नृत्य, संगीत प्रस्तुतिकरण (म्यूजिक परफार्मेन्स) और लोक कथा सत्रों सहित अधिक सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यकलापों की इच्छा व्यक्त की।

*****